K–185

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – नाटक एवं काव्येतर गद्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. नाटक के तत्व लिखिए।
2. एकांकी की परिभाषा दीजिए।
3. जयशंकर प्रसाद की नाट्य कला की एक महत्वपूर्ण विशेषता बताइए।
4. चंद्रगुप्त नाटक के एक ऐतिहासिक घटना का उल्लेख करें।
5. गीति नाटक को परिभाषित कीजिए।
6. 'अन्धा युग' के एक प्रमुख पात्र का नाम लिखें।
7. 'अंधा युग' में किसकी कथा है ?
8. रिपोर्ताज क्या है ?

खण्ड–ब

9. आत्मकथा और जीवन में अंतर स्पष्ट करें।

10. रेखाचित्र और संस्मरण विधाओं की विशेषताएँ लिखें।

11. 'आधे अधूरे' नाटक के प्रमुख पात्रों की चर्चा करें।

12. धर्मवीर भारती की नाट्य दृष्टि पर प्रकाश डालें।

13. 'चन्द्रगुप्त' नाटक की भाषा पर टिप्पणी करें।

14. 'रेडियो नाटक' क्या है ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. फीचर लेखन क्या है ?

16. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र की विशेषताएँ बताइए।

17. रामचन्द्र शुक्ल का जीवन परिचय दीजिए।

18. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध साहित्य की चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. 'काव्य में लोमंगल की साधनावस्था' निबन्ध का सार लिखिए।

20. 'आवारा मसीहा' पर टिप्पणी कीजिए।

21. 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रावृतान्त का परिचय दीजिए।

22. विद्यानिवास मिश्र का साहित्यिक परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. 'अशोक के फूल' में व्यक्त विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

24. 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र' की व्यंग्य चेतना को रेखांकित कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

K–186

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – कथा साहित्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. सुमन प्रेमचन्द के किस उपन्यास की पात्र है ?
2. 'अरे यायावर रहेगा याद' यात्रावृत्त किस रचनाकार का है ?
3. 'मित्रों मरजानी' उपन्यास किसकी कृति है ?
4. प्रसाद की पहली कहानी 'ग्राम' किस पत्रिका में प्रकाशित हुई ?
5. सुनन्दा जैनेन्द्र की किस कहानी की पात्र है ?
6. कृष्ण बलदेव वैद की प्रथम प्रकाशित पुस्तक कौन–सी है ?
7. कृष्णा सोवती की कौन–सी कहानी विभाजन की त्रासदी के इर्द–गिर्द घूमती है ?
8. नई कहानी का प्ररम्भ किस सन् से हुआ है ?

खण्ड–ब

9. अज्ञेय पर फ्रायडीय मनोविज्ञान का प्रभाव।
10. बन्धन और जिज्ञासा का अर्थ क्या है ?
11. कहानी की परिभाषा समझाइए।
12. अकहानी क्या है ? समझाइए।
13. महुआ कहानी के आधार पर शराबी का संक्षिप्त चरित्र–चित्रण लिखिए।
14. कृष्णा सोवती का साहित्यिक परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. प्रेमचन्द के औपन्यासिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करें।
16. 'जिन्दगी और जोंक' कहानी की प्रासंगिकता को लिखिए।
17. 'ऐ लड़की' उपन्यास के उद्देश्य को लिखिए।
18. कहानी और उपन्यास में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. हिन्दी कथा साहित्य में कहानी आन्दोलनों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
20. 'शतरंज के खिलाड़ी' की समीक्षा कीजिए।
21. भाषा और शैली की दृष्टि से 'पत्नी' कहानी की समीक्षा कीजिए।
22. ''ज्ञानरंजन की कहानी 'पिता' में दो पीढ़ियों के अन्तर का संघर्ष है।'' स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. 'टूटना' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए कि वैश्वीकरण के कारण स्त्री–पुरुष के सम्बन्धों में बदलाव आ रहा है।
24. प्रेमचन्द ने नारी–जीवन की त्रासदी को प्रमुख रूप से किन–किन उपन्यासों में उद्घाटित किया है ? स्पष्ट करें।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. पद विन्यास को अंग्रेजी में क्या कहा जाता है ?
2. ''ध्वनि रूप में शब्दों के द्वारा विचारों को प्रकट करने का नाम भाषा है।'' कथन किसका है ?
3. डॉ. भोलानाथ तिवारी के अनुसार स्थान के आधार पर व्यंजनों को कितने वर्गों में विभक्त किया गया है ?
4. खैर और ख़ैर के अर्थ बताइए।
5. 'काव्यानुशासन' किसकी रचना है ?
6. 'उर्दू' का शाब्दिक अर्थ क्या होता है ?
7. भाषा की कसौटी किसे कहा जाता है ?
8. संस्कृत समालोचना में 'शैली' शब्द का समतुल्य शब्द क्या है ?

खण्ड–ब

9. प्रोक्ति क्या है ?
10. स्वनिम एवं उपस्वन में अंतर लिखिए।
11. शैली की दृष्टि से वाक्य के प्रकार लिखिए।
12. बोली से आप क्या समझते हैं ? लिखिए।
13. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के कोई पाँच प्रकार लिखिए।
14. भाषा में विचलन से आप क्या समझते हैं ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. भाषा विज्ञान, विज्ञान है या कला ? स्पष्ट कीजिए।
16. देवनागरी लिपि की न्यूनताएँ लिखिए।
17. खड़ीबोली हिन्दी के विभिन्न रूपों को लिखिए।
18. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. भाषा की प्रकृति तथा विशेषताएँ लिखिए।
20. रूपिम के भेद सविस्तार लिखिए।
21. प्राचीन आर्य भाषाओं की विशेषताएँ लिखिए।
22. हिन्दी की संवैधानिकता को सविस्तार समझाइए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. ध्वनि की अवधारणा एवं वर्गीकरण का विस्तृत वर्णन कीजिए।
24. भाषा शिक्षण एवं हिन्दी नाटक शिक्षण, नाटक शिक्षण के उद्देश्य तथा नाटक के शिक्षण प्रविधि को स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. तार सप्तक के संपादक का नाम बताइये।
2. 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' कविता के रचनाकार का नाम बताइये।
3. 'धूप के धान' कविता संग्रह का प्रकाशन किस सन् में हुआ ?
4. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की कविताएँ किस सप्तक में संकलित हैं ?
5. धर्मवीर भारती का जन्म किस शहर में हुआ था ?
6. दुर्ग छत्तीसगढ़ में जन्मे किस कवि की कविताएँ आपके पाठ्यक्रम में संकलित हैं ?
7. भवानीप्रसाद मिश्र की काव्यधारा कब से प्रारंभ हुई ?
8. 'नीरज' कवि का पूरा नाम बताइये।

खण्ड–ब

9. मुक्तिबोध की कविता की मूल संवेदना को लिखिए।
10. 'महाप्रस्थान' के माध्यम से कवि ने जीवन की किन–किन चिरंतन समस्याओं को उठाया है ? बताइये।
11. 'कुआनो नदी' कविता में प्रयुक्त भाषा पर प्रकाश डालिए।
12. 'कनुप्रिया' के इतिहास खण्ड का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
13. अशोक वाजपेयी के कृतित्व का परिचय दीजिए।
14. सोहनलाल द्विवेदी के गीतों की मूल (मुख्य) संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. 'सोठोत्तरी' कविता को सही अर्थों में जनतंत्र की कविता कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए।
16. सिद्ध कीजिए कि गिरिजाकुमार माथुर श्रृंगार रस के कवि हैं ?
17. ''नंदकिशोर आचार्य नव आध्यात्म के सर्जक हैं।'' विवेचना कीजिए।
18. हिन्दी नवगीत की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. 'टूटी हुई बिखरी हुई' कविता के माध्यम से शमशेर की काव्यभाषा की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।
20. सर्वेश्वर के काव्य में समकालीन परिवेश से साक्षात्कार से संबंधित स्थितियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
21. ''समुद्र स्वप्न और आम्रबौर का अर्थ'' में राधा का जो व्यक्तित्व निरूपित हुआ है, उसे सटीक शब्दावली में अभिव्यक्त कीजिए।
22. हिन्दी गीतिकाव्य परंपरा में रमानाथ अवस्थी का योगदान स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. 'नई कविता' के तत्कालीन परिवेश और प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।
24. ''सतपुड़ा के पहाड़, जंगल एवं वहाँ के लोग भवानीप्रसाद मिश्र की कविताओं में रचे बसे हैं।'' स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

5. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
6. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
7. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
8. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।